

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015–2016
अंक योजना हिन्दी 'केन्द्रिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 2/2/1
2/2/2
2/2/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
1.	1.	2.	1.	<p style="text-align: center;"><u>खंड – 'क'</u></p> <p>अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● विदेश में हिन्दी का कारवाँ। ● हिन्दी के बढ़ते चरण। <p>(कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● शिक्षा व रोजगार के अवसर। ● अर्थ व्यवस्था का विस्तार। <ul style="list-style-type: none"> ● अधिकांश उपभोक्ता हिन्दी भाषी होने के कारण व्यापार प्रसार से हिन्दी का चलन बढ़ा। ● भारत के बाहर भी हिन्दी का प्रचलन बढ़ा। <ul style="list-style-type: none"> ● दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रति जागरूकता बढ़ी है क्योंकि बाज़ार से हिन्दी का जुड़ाव है। 	15 अंक 1 1+1=2 1+1=2 2
	क	क	क		
	ख	ख	ख		
	ग	ग	ग		
	घ	घ	घ		

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
2.	ड	ड	ड	<ul style="list-style-type: none"> साम्राज्यवादी दौर में मज़दूरी करने के लिए मज़दूर विदेश ले जाए गए। मॉरीशस, फिजी, ट्रिनीडाड, सूरीनाम आदि। 	2
	च	च	च	<ul style="list-style-type: none"> भारत ने अपने भारतवंशियों को भुला दिया। उनकी पीड़ा उचित है। लेकिन धीरे-धीरे स्थितियाँ बदल रही हैं। <p>(अन्य विचार भी स्वीकार्य।)</p>	1+1=2
	छ	छ	छ	<ul style="list-style-type: none"> बंधुआ मज़दूर आज भी हमारी भारतीय भाषा एवं संस्कृति के प्रचारक हैं, ऋषि मनीषियों की तरह। 	2
	ज	ज	ज	<ul style="list-style-type: none"> हिन्दी के प्रति प्रतिबद्धता दिखाएँ। विश्व भर में हिन्दी भाषियों को समर्थन प्रदान करें। <p>(अन्य विचार भी स्वीकार्य।)</p>	2
	क	क	क	<p>अपठित काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर—</p> <ul style="list-style-type: none"> कठिनाइयों में डटा रहे। संघर्षों से पलायन न करें। क्योंकि परिस्थितियाँ विपरीत हैं। 	1x5=5
					1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● मनुष्य ने कभी हार नहीं मानी। 	1
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● जब तक उसकी साँसों में स्पंदन है, तब तक वह अपना कार्य करता रहता है। 	1
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● कभी-कभी ही हमें चुनौतियों का सामना कर मानव शक्ति का परिचय देने का अवसर मिलता है। 	1
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> ● संघर्ष ही जीवन है। 	1
				खंड – 'ख'	
3.	3.	3.	3.	किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित : <ul style="list-style-type: none"> ● भूमिका एवं उपसंहार 1 ● विषय-वस्तु 3 ● भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति 1 	5
4.	4.	4.	4.	पत्र-लेखन : <ul style="list-style-type: none"> ● आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 2 ● प्रभावी विषय-वस्तु 2 ● भाषा/प्रस्तुति 1 	5
5.	5.	6.	5.	संक्षिप्त उत्तर- <ul style="list-style-type: none"> ● समाचार किसी भी ऐसी ताजी घटना, 	1x5=5
	क	क	क		

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● पंख के बिना पक्षी और सूंड़ के बिना हाथी का कोई अस्तित्व नहीं । ● वैसे ही लक्ष्मण के बिना राम की स्थिति है । 	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● ऐसा कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित और स्नेही भाई कभी नहीं मिल सकता । ● राम के भ्रातृ-प्रेम का सूचक कथन । <p style="text-align: center;">अथवा</p>	2
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> ● अपने प्रिय पात्र के । ● क्योंकि जितना प्रेम वह करता है उतना ही अधिक प्रेम भंडार बढ़ता जाता है । 	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● प्रेम की अधिकता के कारण । ● प्रेम – भंडार में कमी न आने के कारण । 	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● वह – आंतरिक प्रेम । ● तुम – प्रिय पात्र । ● भीतर वह का अर्थ हृदय के भीतर बसने वाला प्रिय-पात्र । ● ऊपर तुम का आशय है कवि के प्रेम से भरे हृदय पर प्रिय-पात्र का अधिकार । 	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
9.	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> जिस प्रकार पूर्णिमा का चाँद अपनी चाँदनी बिखेर देता है, उसी प्रकार प्रिय – पात्र का स्नेह कवि के जीवन को खुशियों से भर देता है। 	2
	9.	8.	9.	पठित काव्यांश पर आधारित उत्तर—	2x3=6
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> माँ के द्वारा बच्चे को उछालने-झुलाने और प्यार करने की स्वाभाविक प्रक्रिया का वर्णन। बच्चे की किलकारी एवं खुशी का स्वाभाविक वर्णन। 	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> रूपक अलंकार। उपमेय में उपमान को आरोपित किया गया है। बच्चे को चाँद का टुकड़ा माना। 	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> आंचलिक एवं देशज भाषा का प्रयोग। सहजता एवं सरसता। 	2
	क	क	क	<p style="text-align: center;">अथवा</p> <ul style="list-style-type: none"> प्रातःकाल से। शरद ऋतु के प्रातःकाल एवं खरगोश की आँखों के रंग और चमक में समानता है। 	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● शरद आया.....चलाते हुए। ● शरद ऋतु को मानव जैसा कार्य करता हुआ दिखाया गया है। 'आना' क्रिया गतिशील है। 	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● खड़ी बोली का सरल-सहज प्रयोग। ● प्रतीकात्मक भाषा। साइकिल चलाना, पुल पार करना। ● विशेषणों का साभिप्राय प्रयोग। 	
10.	10.	9.	10.	<p>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● रोदन में राग। ● शीतल वाणी में विचारों की प्रखरता। ● उन्माद में अवसाद। ● बाह्य रूप में प्रसन्न दिखना परंतु अन्दर से दुखी। 	3+3=6
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> ● चिड़िया की उड़ान कवि की कल्पना की उड़ान। ● फूल खिल कर सर्वत्र सुगन्ध और सौन्दर्य बिखेरते हैं, कविता भावों-विचारों को फैलाती है। ● फूलों का प्रभाव/आनंद सीमित है लेकिन कविता का आनन्द असीमित और शाश्वत है। 	3
	ख	ख	ख		3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
11.	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● धनी और शोषक वर्ग त्रस्त होते हैं। ● धनिकों को क्रांति के कारण अपनी धन-सम्पत्ति छिन जाने का डर सता रहा है। ● शोषित निर्धनों के जागरूक होने के कारण उनकी सुख-सुविधा छिन जाने का भय है। 	3
	11.	11.	11.	पठित गद्यांश पर आधारित उत्तर-	2x4=8
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> ● लक्ष्मी ● लक्ष्मी नाम समृद्धि का सूचक होता है, पर यह नाम उसकी गरीबी का मजाक उड़ाता प्रतीत होता है। ● वह स्वयं निर्धन थी इसलिए उसे लक्ष्मी नाम से संकोच होता था। 	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● महादेवी का अर्थ है – महान् और महिमामयी देवी। ● लेखिका के जीवन में महान और देवी जैसी महानता या महिमा नहीं है। 	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● लेखिका नाम के अनुरूप महिमामयी देवी न हो सकी। ● भक्तिन 'लक्ष्मी' हो कर भी गरीब थी। 	2
घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● लोक – विश्वासों में माथे की रेखाओं 		

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				का सम्बन्ध भाग्य से जोड़ा जाता है। ● लक्ष्मी के भाग्य में सुख नहीं था।	2
	क	क	क	अथवा ● जो ग्राहक अपनी आवश्यकताओं को भली-भाँति जानता है। ● अपनी आवश्यकतानुसार वस्तुओं को खरीद कर।	2
	ख	ख	ख	● विनाशक शक्ति। ● शैतानी और व्यंग्य-शक्ति।	2
	ग	ग	ग	● ग्राहकों की जरूरतें पूरी करना। ● ग्राहकों की संतुष्टि करना।	2
	घ	घ	घ	● 'वे लोग' – जिनको अपनी क्रय शक्ति पर गर्व है। ● क्रय शक्ति के गर्व में अनावश्यक वस्तुओं को खरीदना। ● छल-कपट का वातावरण।	2
12.	12.			किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित-	3x4=12
	क	—	—	● लोगों में बढ़ती स्वार्थ की भावना। ● भ्रष्ट व्यवस्था। ● कथनी और करनी में अन्तर। ● त्याग, समर्पण जैसे मूल्यों का अभाव।	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
ख	—	—	—	<ul style="list-style-type: none"> ● एक परित्यक्ता और स्टेज अभिनेत्री का बेटा होना। ● भयावह गरीबी और माँ के पागलपन से संघर्ष करना। ● पूँजीवादी वर्ग से उपेक्षित जीवन जीना। ● खानाबदोशों की तरह जीना। <p>(किन्हीं तीन का विवेचन)</p>	3
ग	—	—	—	<ul style="list-style-type: none"> ● तपस्वी की तरह विपरीत परिस्थितियों में भी अपने अस्तित्व को बनाए रखना। ● कठिनाइयों में स्वयं प्रसन्न रह कर दूसरों को भी प्रसन्न रखना। ● अपने फूलों (विचारों) से वातावरण को सुगन्धित करना। <p>(अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)</p>	3
घ	—	—	—	<ul style="list-style-type: none"> ● यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं। ● मनुष्य को अपना पेशा या कार्य चुनने का अधिकार नहीं। ● समाज के आर्थिक विकास में हानि। 	3
ङ	—	—	—	<ul style="list-style-type: none"> ● मानचित्र पर एक लकीर खींच देने से न देश बँटता है और न जनता का देश-प्रेम। ● एक-दूसरे के प्रति सद्भाव रखना। 	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	—	12. क	—	<ul style="list-style-type: none"> ● दिलों के रिश्ते नियम-कानूनों से बड़े होते हैं। ● जीजी के अनुसार कुछ पाने के लिए त्याग आवश्यक जबकि लेखक के अनुसार इंदर सेना पर पानी फेंकना अंधविश्वास। ● जीजी की <u>सोच/दृष्टिकोण</u> धर्म एवं लोक परंपराओं से अनुप्रमाणित थी जबकि लेखक का दृष्टिकोण आधुनिक एवं वैज्ञानिक। ● जीजी भावुक एवं कोमल हृदय थीं जबकि लेखक व्यावहारिक एवं तार्किक। 	3
	—	ख	—	<p>पक्ष—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● असहाय व गरीबों द्वारा महामारी से अकेले संघर्ष। ● राज व्यवस्था या अन्य किसी व्यवस्था से मदद नहीं मिलना। ● मात्र ढोलक की आवाज से मृत्यु से संघर्ष। <p>विपक्ष—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● बदलती हुई व्यवस्था से लोक कलाओं का उपेक्षित होना। ● लोक-कलाकारों की जीविका का संकट उत्पन्न होना। <p>(अन्य उपयुक्त बिंदु)</p>	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	—	ग	—	(विद्यार्थियों द्वारा पक्ष या विपक्ष में तीन उपयुक्त तर्क स्वीकार्य।) <ul style="list-style-type: none"> मानवीय संवेदनाओं, भाईचारे और प्रेम का प्रतीक। विभाजन की त्रासदी और निहित संवेदना का चित्रण। जरा और मृत्यु संसार का सबसे बड़ा सत्य। शिरीष के फलों का अपने स्थान पर डटे रहना। पुराने लोगों द्वारा नए विचारों को मान्यता देने में संकोच। जीवन भर मनुष्य को एक ही पेशे से बाँध देना। मनुष्य को पेशा चुनने की स्वतंत्रता न देना। पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण करना। पंचायत का फैसला न्यायोचित नहीं। वर चुनने के अधिकार को छीन कर जबरदस्ती वर थोपा गया। नारी के प्रति अन्याय को बढ़ावा। लड़की की बात का अनसुना कर दिया गया। 	3
	—	घ	—		3
	—	ङ	—		3
	—	—	12. क		3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
—	—	—	ख	<p>(अन्य उपयुक्त विचार भी स्वीकार्य।)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मन भरा होना अर्थात् तृप्ति का भाव, अनावश्यक वस्तुओं की चाहत न होना। ● मन खाली होना अर्थात् अपनी आवश्यकताओं का पता न होना। <p>प्रभाव—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मन भरा होने पर केवल आवश्यक वस्तु खरीदना एवं उससे संतुष्ट होना। ● मन खाली होने पर बाज़ार की चकाचौंध में फँस जाना तथा अनावश्यक वस्तुएँ खरीद लाना। 	3
—	—	—	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● हास्य फिल्मों के महान अभिनेता एवं निर्देशक। ● राजकपूर को। ● क्योंकि वह चार्ली की भाँति अपने पर हँसने का अवसर देते थे। ● राजकपूर के अभिनय पर चार्ली का प्रभाव। 	3
—	—	—	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● दोनों वातावरण से अपने लिए आवश्यक रस/विचार/संवेदनाओं को ग्रहण करते हैं। ● दोनों स्थिति की अपेक्षा के अनुसार कोमल एवं कठोर हैं। 	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
13.	—	—	ड	<ul style="list-style-type: none"> ● दोनों विपरीत परिस्थितियों में भी झुकते नहीं हैं। ● अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता न होना। ● दूसरों की इच्छानुसार कार्य करने की बाध्यता। ● कानूनी पराधीनता की दासता। ● सत्य, ईमानदारी। ● बड़ों का सम्मान। ● लड़का-लड़की में भेद नहीं करते। ● पैसों का अनावश्यक व्यय नहीं करते। ● भारतीय मूल्य एवं मान्यताओं में विश्वास। ● सिद्धांतवादी। ● अधिकारी के रूप में सहयोगियों के प्रति अच्छा व्यवहार। 	3 5
14.	14. क	—	—	<p>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● सहनशील, शांतिप्रिय आत्मीय व्यक्ति। ● सहयोगी स्वभाव। ● सच्चा मित्र। ● खाने का शौकीन। 	5+5=10

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	ख	क	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● दृढ़ निश्चयी। <p>(कोई अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)</p>	5
	—	ख	—	<ul style="list-style-type: none"> ● साधन-सम्पन्न सभ्यता। ● सुनियोजित नगर व्यवस्था। ● समाज में एकरूपता। ● कला में सुरुचि। ● सुसंस्कृत, उन्नत सभ्यता। ● राज-पोषित नहीं, समाज-पोषित व्यवस्था। <p>(अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य।)</p>	5
	—	—	क	<ul style="list-style-type: none"> ● पढ़ाई जारी रखने के लिए संघर्ष। ● पिता की शर्तों के अनुसार अध्ययन के लिए संघर्ष। ● कविता लेखन सीखने का संघर्ष। ● सहपाठियों से तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष। <p>(अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य।)</p>	5
	—	—	क	<ul style="list-style-type: none"> ● मराठी शिक्षक सौंदलगेकर जी से प्रेरित हो कर। ● मास्टर जी द्वारा अभिनय कौशल के 	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				<p>साथ कविताओं का भाव-बोध कराना ।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● कविताओं को लय, ताल, छंदों में बाँधना ● काव्य-सृजन की बारीकियाँ समझाना । ● कविताओं में संशोधन करना । ● आत्मीय संबंध बना कर समझाना । ● नई-नई कविताएँ सुनाना । 	5